RAN-18011303010200001

RAN-1801130301020001/ 2501005601020001

M.A. (Sem.- I) Examination March - 2026

Hindi (Paper - 02:CC:02) Indian Poetics and Literary Criticism

Bhartiy Kavya Shastra Avam Sahitya Lochan

Time: 2 Hours] **[Total Marks: 50**

સૂચના : / Instructions
(1) ઉપરોક્ત દર્શાવેલ વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી.
Fill up strictly the above details on your answer book

Seat No.:

Student's Signature

प्र.1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए। **10**

1. रस निष्पत्ति विषयक विभिन्न व्याख्याकारों के नाम और वाद बताइये।
2. आचार्य भरतमुनि के मतानुसार रस-निष्पत्ति कैसे होती हैं?
3. गुणों के आधार पर प्रमुख रीतियों का उल्लेख कीजिए।
4. रीति की परिभाषा लिखिए।
5. अतिशयोक्तिपरक अर्थालंकार किसे कहते हैं?
6. ध्वनि के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।
7. हजारीप्रसाद द्विवेदी के किन्हीं दो आलोचनात्मक ग्रंथों का उल्लेख कीजिए।

प्र.2. रस का स्वरूप समझाते हुए, रस के अवयवों पर प्रकाश डालिए। **13**

अथवा

प्र.2. अलंकार की समुचित परिभाषा देते हुए अलंकारों का वर्गीकरण प्रस्तुत कीजिए। **13**

प्र.3. वक्रोक्ति की अवधारणा स्पष्ट करते हुए उसके भेदोंपभेदों को स्पष्ट कीजिए। **13**

अथवा

प्र.3. निम्नलिखित काव्यांश की व्यावहारिक समीक्षा कीजिए। **13**

''छोड़ द्रुमों की मृदु छाया,
तोड़ प्रकृति से भी माया,
बाले! तेरे बालजाल में कैसे उलझा दूँ लोचन?
भूल अभी से इस जग को!
तज कर तरल तरंगों को,
इन्द्र धनुष के रंगों को,
तेरे भ्रू-भंगों से कैसे बिंधवा दूँ निज मृग सा मन?
भूल अभी से इस जग को!

कोयल का वह कोमल बोल,
मधुकर की वीणा अनमोल,
कह, तब तेरे ही प्रिय स्वर से कैसे भर लूँ सजनि श्रवण?
भूल अभी से इस जग को!
ऊषा सस्मित किसलय दल,
सुधारश्मि से उतरा जल,
ना, अधरामृत ही के मद में कैसे बहला दूँ जीवन?
भूल अभी से इस जग को!''

प्र.4. किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए:– **14**

1. ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद।
2. चित्रकाव्य।
3. औचित्य सिद्धान्त का महत्त्व।
4. लक्षण काव्य परंपरा।